भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †3865

सोमवार, 24 मार्च, 2025/03 चैत्र, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

ओडिशा के बौद्ध में बौद्ध पर्यटन का विकास

†3865. श्री सुकान्त कुमार पाणिग्रहीः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान बौद्ध, ओडिशा में बौद्ध पर्यटन के विकास के लिए आबंटित और उपयोग किए गए बजट का ब्यौरा क्या है और इस अवधि के दौरान बौद्ध में बौद्ध विरासत स्थलों के संरक्षण, संवर्धन और अवसंरचना विकास के लिए कौन-कौन सी प्रमुख परियोजनाएं और पहलें शुरू की गई हैं;

(ख) आगामी पांच वर्षों के दौरान बौद्ध में बौद्ध पर्यटन के विकास हेतु तैयार की गई भावी योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) बौद्धों में बौद्ध पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अगले पांच वर्षों के लिए केन्द्रीय और राज्य सरकारों के साथ-साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी सहित अनुमानित बजट और वित्तपोषण स्रोतों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा बौद्धों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध पर्यटन परिपथों के साथ एकीकृत करने और घरेलू तथा विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए किए गए/किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटक गंतव्यों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से ओडिशा में बौद्ध पर्यटन सहित देश के विभिन्न पर्यटन उत्पादों का विकास और संवर्धन करके राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' की अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से ओडिशा राज्य सहित अन्य

राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने बौद्ध, ओडिशा के लिए कोई परियोजना स्वीकृत नहीं की है। चिह्नित गंतव्यों पर परियोजनाओं के प्रस्ताव संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा तैयार एवं संकल्पित किए जाते हैं। पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत, पर्यटक गंतव्यों के विकास हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए समय-समय पर राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों से प्रस्ताव प्राप्त होते हैं। परियोजनाओं की समीक्षा एवं स्वीकृति एक सतत प्रक्रिया है और यह योजना दिशा-निर्देशों में निर्धारित प्रक्रियाओं तथा अपेक्षाओं के अनुसार की जाती है।

पर्यटन मंत्रालय बौद्ध पर्यटन सहित भारत की पर्यटन पेशकशों को प्रदर्शित करके वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत के शेयर को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण और संभावित पर्यटक सृजक बाजारों में विभिन्न संवर्धनात्मक कार्यकलापों का संचालन करता है। वर्ष 2024 में मंत्रालय ने पैसिफिक एशिया ट्रैवल एसोसिएशन (पाटा) ट्रैवल मार्ट, बैंकॉक, टूरिज्म एक्सपो जापान (टीइजे), टोक्यो, टॉप रेसा, पेरिस, इंटरनेशनल टूरिज्म-बोर्स (आईटीबी) एशिया, सिंगापुर, वर्ल्ड ट्रैवल मार्ट (डब्ल्यूटीएम), लंदन, फिटुर, मैड्रिड, इंटरनेशनल टूरिज्म-बोर्स (आईटीबी), बर्लिन आदि जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में भाग लिया, जिसमें बौद्ध पर्यटन स्थलों सहित विभिन्न स्थलों और विषयगत उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। ऐसी सभी प्रदर्शनियों में भाग लेने के दौरान बौद्ध स्थलों पर चित्र और प्रचार वाली फिल्में प्रदर्शित की गईं।

पर्यटन मंत्रालय ने अतुल्य भारत डिजिटल पोर्टल को नया रूप दिया है जो उच्च गुणवत्ता वाली छवियों, फिल्मों, ब्रोशर, समाचार पत्र आदि का एक व्यापक डिजिटल संग्रह है और बौद्ध पर्यटन परिपथ एवं गंतव्यों से संबंधित प्रचार सामग्री को भी दर्शाता है।

****